अमर उजाला
शुक्रवार | 29 अप्रैल 2016
V

बीटेक छात्र से वसूली मामले में एकेटीयू वीसी ने की सुनवाई

अमर उजाला ब्यूरो

लखनऊ। डॉ. एमसी सक्सेना इंजीनियरिंग कॉलेज पर लगे धन उगाही के आरोप के मामले में गुरुवार को डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. विनय कुमार पाठक ने संस्थान के पदाधिकारियों व शिकायत करने वाले बीटेक द्वितीय वर्ष के छात्र को बुलाया।

प्रो. विनय ने बताया कि दोनों पक्षों को सुनने के बाद स्पष्ट हुआ कि छात्र ने लिखित में कॉलेज को दिया था कि यदि उसे स्कॉलरशिप मिलेगी तो वह पूरी फीस देगा। यदि नहीं मिली तो केवल 60 हजार रुपये प्रतिवर्ष। इसीलिए कॉलेज ने छात्र से फीस मांगी थी। छात्र ने भी फीस देने पर हामी भर दी है। वहीं, इस मामले में जब छात्र से संपर्क किया गया तो उसने यह कहकर मामला टाला कि उसे दो साल कॉलेज में पढ़ना है। वह बात नहीं बढ़ाना चाहता। मालूम हो कि बुधवार को कॉलेज के एक छात्र ने आरोप लगाया था कि बीटेक में प्रवेश के समय उससे 60 हजार रुपये फीस मांगी गई थी, जबकि दूसरे साल में आने पर कॉलेज ने दोनों साल के लिए 24-24 हजार रुपये और फीस मांगी।

स्वतंत्र भारत
लखनऊ, शुक्रवार, 29 अप्रैल 2016 (4)

एकेटीयू में बनेगा रिसर्च सेंटर

दो दर्जन कॉलेजों में होगी स्थापना

पांच मई तक कॉलेजों को भेजना होगा अपना प्रपोजल

लखनऊ। डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय (एकेटीयू) की ओर से अब रिसर्च की तरफ ध्यान देने की तैयारी की जा रही है।

इसके लिए एकेटीयू की ओर से प्रदेश भर में करीब 25 रिसर्च सेंटर बनाये जायेंगे। इसके लिए एकेटीयू से संबद्ध इंजीनियरिंग और मैनेजमेंट कॉलेजों की भी मदद ली जायेगी।

कॉलेजों में बनने वाले इन रिसर्च सेंटरों के लिए विश्वविद्यालय की ओर से फंड भी जारी किया जायेगा।

एकेटीयू प्रशासन ने इस संबंध में कॉलेजों से प्रपोजल भी मांगा है। जो कि सभी कॉलेज 5 मई को अपना राय के साथ प्रपोजल भेज सकते हैं।

एकेटीयू प्रशासन के मुताबिक रिसर्च की दिशा में तेजी से सुधार के लिए कॉलेजों में रिसर्च सेंटर बनायें जायेंगे।

ऐसे में कॉलेजों के प्रपोजल आने के बाद बेस्ट प्रपोजल के आधार पर विश्वविद्यालय फंड देकर कॉलेजों में रिसर्च सेंटर बनवाएगी।

पीएचडी स्कॉलर्स और पीजी छात्रों को मिलेगा लाभ

रिसर्च सेंटर की स्थापना के बाद इसका सबसे ज्यादा फायदा पीएचडी स्कॉलर्स और पीजी के छात्रों को मिलेगा।

पीएचडी स्कॉलर्स अब इन सेंटर्स पर जाकर क्वालिटी बेस्ड रिसर्च कर सकेंगे।

सेंटरों पर मौजूद गाइड को पीएचडी स्कॉलर्स का सुपरवाइजर भी नियुक्त किया जाएगा।

अब तक एकेटीयू में पीएचडी स्कॉलर्स खुद ही गाइड लाने पड़ते हैं और वे दूसरे संस्थानों के गाइडों के सुपरविजन में रिसर्च करते हैं। इस कारण रिसर्च में क्वालिटी सुनिश्चित नहीं हो पाती है।

अगले सत्र में मिलेगा छात्रों को मिलेगा लाभ

एकेटीयू के डीन पीजी स्टडीज एंड रिसर्च प्रो. वीरेंद्र पाठक ने छात्रों को रिसर्च सेंटर का लाभ अगले सत्र में मिलना शुरू हो जायेगा। उन्होंने बताया कि यूपी में 20 से 25 रिसर्च सेंटर बनाए जाने हैं। इसके लिए सभी कॉलेजों से प्रपोजल मांगे गए हैं। लखनऊ में भी केंद्र बनाए जाएंगे।

50 स्कॉलर्स को टीचिंग असिस्टेंट के लिए चुना जायेगा

इसमें एमटेक के 50 छात्रों को और टीचिंग असिस्टेंस प्रोग्राम के तहत पीएचडी के 50 स्कॉलर्स को टीचिंग असिस्टेंट के तौर पर एकेटीयू चयनित करेगा। ये छात्र और स्कॉलर रिसर्च के साथ कॉलेजों में पढ़ाएंगे। इसके एवज में इन्हें भुगतान भी होगा। भुगतान का 50 फीसदी हिस्सा एकेटीयू और 50 फीसदी हिस्सा कॉलेज देगा।